



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र० 109]
No. 109]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 13, 1986/वैशाख 23, 1908
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 13, 1986/VAISAKHA 23, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 95आईटीसी (पीएन)/85-88

नई दिल्ली, 13 मई, 1986

विषय:—सरकार सरोवर जल विद्युतीय परियोजना के लिए 2.85
बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के
आयातों के लिए लाइसेंस शर्तें।

फाइल सं. आई पी सी (23)/27/85-88:— नर्बदा विकास
विभाग, गुजरात सरकार की सरकार सरोवर जल विद्युत परियोजना की
आयात आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए जापान की विदेशी आर्थिक
सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा लागू किए गए 2.85 बिलियन
येन क्रेडिट के अधीन आयात लाइसेंसों के निर्गमन को साक्षित करने वाली
शर्तें जो प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी
के लिए अधिसूचित की जाती हैं,

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

परिशिष्ट

नर्बदा विकास विभाग, गुजरात सरकार की सरकार सरोवर जल
विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जापान की विदेशी आर्थिक

सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा लागू किए गए 2.850
बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के
आयातों के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खंड-1 सामान्य शर्तें:—

1(1) नर्बदा विकास विभाग गुजरात सरकार की सरकार सरोवर
जल विद्युत परियोजना की आयात आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान
किया गया 2.850 बिलियन येन का ऋण भारत सहित जापान और
विकासशील देशों के लिए प्रदान किया गया है। तबनुसार इस क्रेडिट के
अधीन अधिप्राप्त किया जाने वाला माल और सेवाएं जापान और अनुबंध-1
की सूची में उल्लिखित सभी देशों (भारत सहित) से आयात किये जा सकते
हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मयों और उसी मूल्य के लिए
लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी
विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से मिकासी कर दी गई
हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सों) का
मूल्य 3.135 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होगा
चाहिए।

आयात लाइसेंस का कपडे में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमा शुल्क)
द्वारा अधिसूचित विनिर्देश वर और आयात लाइसेंस जारी करने की

तिथि को प्रचलित कर और मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतित दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह भी उल्लेख है कि सीमा शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सो) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस के मूल्य को उसके नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन क्रेडिट सं. आईडीपी-33" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रथम के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। नववा विकास विभाग, गुजरात सरकार को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे बुराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत-बीमा-भाड़ा, के आधार पर केवल नववा विकास विभाग, गुजरात सरकार के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 3.135 बिलियन येन (लागत बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (ii) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर छाने 12 महीनों के लिए और की जा सकती है। छाने और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदन आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्त पोषित किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् सत्यापित माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पहले आवेदन अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा के आधार पर, दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में होना होगा। "पहले आवेदनों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंस-धारी द्वारा दिए गए उन क्रम आवेदनों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रम संविदा हों। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकताओं के आवेदन या ऐसे भारतीय अधिकताओं द्वारा पुष्टिकरण आवेदन स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को न पहुंच जाएं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पहले आवेदन किसी भी कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सके। इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि के 8 महीनों के अन्तिम के लिए मांगे जाती है तो ऐसे

प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) मार्फत ब्लाक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी, आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साक्ष्य स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तुरंत रपया जमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीनों के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक के भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए :—

"साब पत्र की प्राप्ति के बाद.....महीने परन्तु अधिक से अधिक.....के अंत तक पूर्ण किया जाना है। पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-90 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरण ठेका करते समय ध्यान में रखी जाने वाली शर्तें

2(1) ठेके का अर्थात् पर्यन्त निःशुल्क मूल्य लागत और भाड़ा मूल्य येन में (येन की घिन के बिना) अभिव्यक्त होगा चाहिए और इसमें भारतीय अधिकता का कमीशन, यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रम आवेदन और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेदन केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी भाग और सेवाओं की अधिप्राप्ति निम्नलिखित संपूर्ण शर्तों और ऋण के अधीन अधिप्राप्ति के लिए मार्गदर्शन बिन्दुओं के अनुसार की जाएगी :—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के भाग और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में :—

(1) यदि पूर्व अर्हता सहित औपचारिक खूली प्रस्तावपद्धि निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ ई सी एफ को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अर्हता की मूल्यांकन रिपोर्ट बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विनिर्दिष्टकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य वस्तावेज ओ ई सी एफ को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) कम से कम 300 मिलियन अनुमानित मूल्य के भाग और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एफ के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की ओरें अवधि 44 से विभाजित की

नहीं हों। लेकिन यदि ओ ई सी एफ अनुसंधान करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्टें आवि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएंगी।

- (ग) आयातक उपर्युक्त (क) (1), क(2) और (ख) में उल्लिखित आवेदनपत्र/वस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एफ को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक का भुगतान, उसके नाम में बैंक ऑफ इंडिया टोकियो द्वारा 1985-86 के लिए ओ ई सी एफ येन क्रेडिट (परिचालना सहायता) सं. आई डी पी-33 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका स्वीकार नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में, एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान) (विभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता :

संभरक पात्र स्रोत देश के राष्ट्रिक होंगे या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित बैंध ध्यवित होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तियन किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मद बार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभरण का जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाने पर कीमत अपनाई जाएगी)

2(7) संविदा में बोधना :

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल..... (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार तीस प्रतिशत (30%) से कम है :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभरण का जहाज पर निशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(यहां कारखाना मूल्य माणू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि..... (पात्र स्रोत देश का नाम) में..... (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और..... के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।
(पात्र स्रोत देश का नाम)

खंड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

- (क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच सरदार

सरोवर जल विद्युत परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-33 परियोजना सहायता से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होना चाहिए।

- (ख) संभरणों की भुगतान, भारत सरकार और जापानी-विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी-33 से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

- (ग) संभरक ऐसी सूचना और वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन घोषित हों।

- (घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

- (ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय रूतानास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय रूतानास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्वगी के कार्यक्रम से भ्रमगत करायेंगा और पोत लदान के कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय रूतानास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहां भारतीय आयातक हस्तुक्त हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोत-लदान के पश्चात् आवश्यक स्वीकृति देते हुए तार द्वारा सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय रूतानास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 विदेश आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

लाइसेंसधारी को उनके आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरक दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो संभरणों द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आवेदन या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों द्वारा समर्थित हों और उनके साथ संबंधित और बैंध आयात लाइसेंस को दो फोटो प्रतियां और अनुबंध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए” आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जाएंगी।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु और उसकी कीमतों में अनिवार्य आशोधन उत्पन्न करने वाले सभी ठेका संशोधनों के लिए भी लागू होंगे।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ. ई. सी. एफ. की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रतियां कार्य विभाग द्वारा भारतीय रूतानास टोकियो को और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति और आयात लाइसेंस की फोटो प्रति के साथ उपर्युक्त प्रतियां सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक को कार्यालय को भेजेगा।

खंड-5 विदेशी संभरणों की भुगतान साखपत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के वस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शाखा का सम्बंधित संलग्न अनुबंध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। जिससे बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो का सम्बंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबंध 4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र एक अपरिवर्तनीय साख पत्र को लेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां विदेशी आर्थिक

सहयोग निधि (श्री. ई. सी. एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो आयातक भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर बैंक आफ इंडिया, टोकियो अनुबंध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरणों के नाम में अपरिवर्तनीय माध्य-पत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (श्री. ई. सी. एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर माध्यम खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि मंजूर संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलवान करने के बाद विदेशी संभरण अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज मुग्तान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा (यदि दस्तावेज सहा पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरण को उसके बैंकों के माध्यम से रिलीज करेगा और उसके बाद आयातों को लागू की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

श्री. ई. सी. एफ. ठेके के मूल्य की 1/10 (0.1%) के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि श्री. ई. सी. एफ. द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में से चुकाई जाएगी। श्री. ई. सी. एफ. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी, श्री. ई. सी. एफ. को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अंतर्गत भी आयातक द्वारा 0.1% इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाता है।

5(4) साख पत्र खोलने, उसके अधीन सीमा करने और यदि कोई विदेशी संभरणों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरणों द्वारा चुकाए जाएंगे। उस अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक प्रभार जो कि उनके द्वारा आयातों की कीमत के भुगतान की तारीख से श्री. ई. सी. एफ. द्वारा विदेशी संभरणों को प्रतिपूर्ति की तारीख तक होगा, का निपटान, भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूखों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया के लिए प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के सम्बन्ध बैंक द्वारा किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरणों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए क्रियाविधि, ऋण समझौते के साथ गरीबी की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खंड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से पोतलवान समझौता दस्तावेज रिलीज करने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरणों को किए गए येन भुगतान के तुल्य रुपया सार्वजनिक सूचना सं. 74 आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित तरीके से सरकार के लेखे में जमा करना है। इस संबंध में जब भी कोई

परिवर्तन आवश्यक होगा अधिभुजित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्गगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्गगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि के माल को सुपुर्गगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य, भियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात खाइसेस जारी न किए जाएं जिस लेखा जीर्ण में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपोजिट्स एण्ड एक्सासिज 843 सिविल डिपोजिट्स डिपोजिट्स कार परचेजिज एटस्ट्रा एक्सासिज ग्रंडर केडिट्स/लोन एग्ग्रीमेंट" लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान 2.850 विलियम येन केडिट सं. आई. टी. पी.-33 "कार दि सरसर सरोबार हाइड्रोइलैक्टिक प्रोजेक्ट" होना चाहिए। सरकारी विभागों द्वारा किए गए आयातों के संबंध में ब्याज खर्चा वसूल नहीं किया जाएगा। अतः ब्याज के भुगतान के लिए सार्वजनिक सूचना दिनांक 31-5-1974 की शर्तें इस मामले में लागू नहीं होंगी।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में खालान के ऊपर राशिनी और कोमे में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184 आई. टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233 आई. टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 24-10-68 सं. 132 आई. टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74 आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं. 103 आई. टी. सी. (पी. एन.)/76, दिनांक 12-10-1976 में यथा निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। खालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई. टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना खालान के कालम धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्योरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना खालान में निम्नलिखित ब्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में धपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरण को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संबंध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना खालान रुपया जमा करने का साध्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक, टोकियो की आयातकों की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेजों को प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल

बाद सी ए ए एण्ड ए, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)
नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा बिलिमय नियंत्रण प्रति पर खपया निशेषों की धनराशि का पृष्ठानक करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खंड-7 विविध उपबन्ध

7(1) आयात लाइसेंस को उपयोग करने की रिपोर्टें

आयातक को पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तें अधिसूचित करना

लाइसेंसधारी का आयात लाइसेंस में दिए गए उन विशेष उपबंधों से अवगत करा देना चाहिए जो लेनदेन करने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें, अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तें" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। ठेके की शर्तों में विवाद के निपटार के संबंधित उपबन्ध शामिल किए जाने चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-33 के अधीन सभी आभारों को आपान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अखीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साख पत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबंध-5 साख पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध-1

पात्र स्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला

कैमेरून
चाद
मध्य गिनी (1)
घाना
कीनिया
मालागासी गणतंत्र
मारितैनिया, मारीशस
पुर्तगाली गिनी
रवाण्डा
सेनेगल
सीमालिया
टैरी आफर्स और इस्तास
तंजानिया गणतंत्र संघ
जाम्बिया
मोरोको
मोल्दोवाना
केपवर्डी द्वीप समूह
कपोरी द्वीप समूह
इथोपिया
गिनी
लेसोथो
मालीबी
सूजम्बिक
रियूनियम
सेंट हेलेना और
डेप (2)
सेचिलिज
सुडान
टोगो
घपर बोस्टा
तुनीशिया
बुरुण्डी
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र
कांगो, बाहोने का गणतंत्र
जाम्बिया
आइबोरी कोस्ट
लाइबेरिया
माली
नाइजर
रोडेसिया
माओ टोम और प्रिन्सिप
सिंगरा लिप्रोन
स्वाजीलैण्ड
भुगान्डा
जाइरे गणतंत्र

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
बेहमस
बरमुडा
डोमिनिकन गणतंत्र
ग्वाटेमाला
जमैका
नीवरलैंड प्रिन्सिप
सेंट पियरो और मिकेलान
बारबाडोज
कोस्तारिका
एल सालवाडोर
हेती

सांठिनिक
निकारगुवा
ट्रिनीडाड और टोबैगो
बेलाइज
क्यूबा
गुवाडेलोप
हॉन्डुरस
मैक्सिको
पनामा
वेस्ट इंडीज (शाखा) एन. आई. ई.
(क) सह-सम्बद्ध राजस (1)
(ख) आश्रित (2)

- (1) पहले स्पेनी गिनी का प्रवेश, द्वीप सहित
 - (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :-
ट्रिनिडाड और टोबैगो, ब्राइड्स, गफ,
 - (3) मुख्य द्वीप समूह, भ्रमा, बोनाइरे, क्यूराकोओ, साह्रा, सेन्ट यूस्टासिड सेन्ट मार्टिन (दक्षिण भाग)।
4. दक्षिणी अमेरिका
ब्राजील
बिली
फान्सिसो गुयाना
पेरू
बोलिविया
कोलम्बिया
गुयाना
सूरिनाम
ब्राजील
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
पराग्वे
उरुग्वे
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
लेबनान
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
इजराइल
ओमन
यमन अरब गणतंत्र
जोर्डन
सिरियाई अरब गणतंत्र यमन अरबवादी का भी भार (4)
6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बर्मा
बेमास
बंगला देश
भारत
पाकिस्तान
भूटान
माल द्वीप
श्री लंका
7. दक्षिण पूर्वी एशिया
बर्मा
कोरिया गणतंत्र
मलेशिया

ताइवान
वियतनाम गणतंत्र
हांगकांग
बाओस
फिलिपाइन
थाइलैण्ड
वियतनाम जनवादी गणतंत्र
खमेर गणतंत्र
मकाओ
सिंगापुर
तिमोर

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह
फासिसी पोलिनेशिया (5)
न्यू इन्डिस (ब्रि. और फ)
पापुवा न्यू गिनी
वालिस और फुतुना
फिजी
नाइ
नियू
सोलोमन द्वीप समूह (बा.)
पश्चिमी सागोछा
मिल्बर्ट और हलाइस द्वीप
न्यूकेलेण्डोनिया
पैसिफिक द्वीप समूह
(संयुक्त राज्य) (6)

9. यूरोप

साइप्रस
माल्टा
यूगोस्लाविया
जिब्राल्टर
स्पेन
ग्रीक
तुर्की

- (1) मुख्य द्वीप एन्टियुवा, बोमिनिका, ग्रेनेडा, सेन्ट किट्स (सेन्ट क्रिस्टोफो) नेविया अंगुयला, सेंट मरिसिया और सेंट विसेन्ट।
- (2) मेन ब्राइलैण्ड, मोन्ससेरत, सेपेन, तुर्की और क्रीककोस और ब्रिटिस बिरमिंग द्वीप समूह।
- (3) अजमन, बुर्ह, कुजाइरह, रास अल खैमाह, नारजाह और उम अल कोबैन।
- (4) अदन और बिमिल सलतनत और अमीरात सहित।
- (5) सोसाइटी आई लेक्स समूह (ताहिटी सहित) को शामिल करते हुए फ्रांस्टाल द्वीप समूह, दुआमोटो बाम्बियर दुप और मरिसस द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रवेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)।

(क) 2-ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया
गैबोन
बेन्जुइसा
कुवेत
भारत-बाही
बोलिविया
बाहजीरिया

ईरान
कतर
इन्डोनेशिया
जीबियाई शरण गणतन्त्र
इन्डोनेशिया
ईराक
सउदी अरब

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन

संख्या दिनांक
सेवा में,

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :—येन क्रेडिट सं. आई. ओ. पी-33 (1985-86 के लिए)
परियोजना सहायता के अन्तर्गत जापान से का
आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. ओ. पी 33 (परियोजना सहायता)
के अधीन बैंक का नाम जो
कि बही होना चाहिए ओ नीचे (क) में संबद्ध समुद्रपार संभरक के नाम
में साक्ष्य पत्र खोलने के लिए किया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने
के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता,
- (ख) आयात साइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह सार्वजनिक
जिस तक वैध है ।
- (ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे
क्रम या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित
है । इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो, कारण सहित
यह उल्लेख होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त
मूल्यतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ?
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण,
- (ङ) माल का उद्गम देश,
- (च) यदि कोई हो तो पात्र से इतर कोट वेबों से आयातित संघटकों
का प्रतिपात ।
- (छ) संविदा का कुल अहाज पर्यन्त/निःशुल्क/आगत एवं भाड़ा मूल्य
(येन में)
- (ज) भारतीय एजेंटों के कमीशन की अनुराशि (येन में) यदि कोई
हो ।
- (झ) समुद्रपार संभरक को देय वास्तविक अहाज पर्यन्त/निःशुल्क/आगत
एवं भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा
गया है ।
- (झ) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं
दिनांक

- (ट) समुद्रपार के संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता
- (ठ) वे भुगतान शर्तों और संभावित तिथियां जिनको संविदा के
अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (ड) सुपुर्तगी को पूर्व करने की अनुराशि तिथि ।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत
किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका
निपटारा दिखाने हुए)

(ण) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पाट-शिपमेंट) की अनुमति दी
गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए ।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(थ) क्या उसी साइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई
हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई हैं,
यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य
और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी.
एफ को इसे अधिसूचित किया गया है ।

(ब) क्या साक्ष्य-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ
इंडिया, टोकियो को देय बैंक चर्च आयातकों या संभरकों
द्वारा वहन किए जाने हैं ।

(घ) आयातक द्वारा वचनबद्धता :—“हम एतद्वारा सरकार द्वारा
निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए
भुगतान के समतुल्य रुपए को पूरा और सही जमा करने का
वचन देते हैं । प्रत्येक निक्षेप माफ (आयातित सामग्री) की
सुपुर्तगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही घनराशियां जमा कराई
जाएंगी । विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों
के मामले में, किए गए व्यो ही विदेशी संभरकों के संबद्ध बीजक
हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान
कर दिया जाए, व्यो ही घनराशियां जमा करा दी जाएं ।

अनुबन्ध 3

सं. एफ (प्राधिकार पत्र का प्राश्य)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इण्डिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय : येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) खण्ड करार से आई. ओ.
पी. के अर्धीत आयात साक्ष्य पत्र खोलने के लिए
प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते
की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्व
व्यो के नाम से अधिकतम येन घनराशि के लिए अथर्वित्त-
नीय साक्ष्यपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साक्ष्यपत्र की प्रति आयातक के
बैंक, ओ.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की
जाए ।

3. साक्ष्यपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारंभ में संभरकों को भुगतान
आपकी निधि से किया जाएगा । भुगतान के माध्यम से ओ.ई.सी.एफ. को
आवश्यक दस्तावेज प्रेषित किए गए भुगतान की पूर्ति का आवा तत्काल
करना चाहिए ।

4. विदेशी संभरक को प्रदायगी करने समय आपके द्वारा
(आयातक के बैंक का नाम व पता) मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय), प्रतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी की भांति खालने की सूचना, तत्काल प्रदायगी यदि कोई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि में ओ.ई.सी. एक द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबंध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णित किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साख्यपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख्यपत्रों को प्रचालित करने और सीधा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का वादा ओ.ई.सी.एक. से नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आप कोई भुगतान करें और आपको उसकी प्रदायगी की जाए उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस संज्ञापन को भेजनी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख्यपत्र खोलने के लिए है। साख्यपत्र में वाद में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के मुद्दे भविष्य में साक्षात् इत मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार के संबंध में सभी प्रकार के पक्ष-व्यवहार के लिए इस पत्र के अनुदेश शीर्ष में दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक को उनके पत्र सं. दिनांक के संदर्भ में।

उम्मे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से कृपा निक्षेप खाति जमा कराने का प्रबंध करें। यदि प्रपक्ष स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमा शुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पहले ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक (1) यह आयात लाइसेंस संख्या दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत प्रभावी आयात लाइसेंस शर्तों के बारे में जारी किया गया। आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई के लिए लाइसेंसिंग शर्तों तथा संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश खाति को देखें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर कृपा जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई अन्तर्गत के बराबर कृपा की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना को समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान

करने की तिथि को यथा प्रवर्जित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी।

(3) यह धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी में खालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्जित हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184 आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68, 233 आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 24-10-68 132 आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 सं. 74 आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103 आईटीसी(पीएन)/76 दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिखाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें कृपा जमा कराना है वह "के डिपॉजिट्स एंड एडवांसिज-843-सिविल डिपॉजिट्स-इंपॉजिट्स फार परचेजिज एटसैट्रा मंत्रालय मंडर परचेजिज मंडर क्रेडिट/लीन एग्रीमेंट्स" खोल फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 2.850 विलियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी पो 33 फार 1985-86 है।

(4) जिन मामलों में मुख्य कृपा रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी(पीएन)/71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके खालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए अग्रवर्ण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:

"सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), पहली मंजिन,
यू.सी.प्रो. बैंक विलिंग, संसद मार्ग,
नई दिल्ली 110001"।

(5) जिन मामलों में मुख्य कृपा ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुश्री द्वारा प्रेषित करना है उनकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य कृपा का पूरा व्यौरा इस विभाग की वेबसाइट पर चाहिए।

(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ.ई.सी.एक. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी प्रदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो की वैध व्याज प्रभार आपके द्वारा सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निर्णित किए जाएंगे।

(7) संभरक को प्रत्येक प्रदायगी करते समय मूल दस्तावेज (या बाणिज्य बीजक, बैंक गारण्टी, कार्य निष्पादन गारण्टी, पोतलवान की सूची में विनिमय दस्तावेज आदि) का विमोचन तब तक न किया जाए जब तक की उपर्युक्त (2) तथा (3) पर कार्रवाई न कर ली जाए।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक की जिम्मेदारियों तथा कार्यों का उल्लेख भारतीय रिजर्व बैंक के अनेक निर्धारित एंडी परिपत्रों में किया गया है। इस संबंध में एंडी आदेश संख्या 22 दिनांक 18-9-77 की और विशेष रूप से ध्यान दिखाया जाता है।

(9) भविष्य में पत्र व्यवहार के लिए इस पत्रादि की प्राप्ति स्वीकृति भेजें तथा संदर्भ खाति लिखें।

3. निदेशक, श्रृंग विभाग-2, समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि, टेकवती म्यूडी विलिंग, 4-1, ओहाटेमची-1 कोमे, शियोजान्गू, टोकियो-100 जापान।

4. भारतीय वृत्तावास, टोकियो।

5. अवसरसिध, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुबंध-4

प्रपत्र आई सी एफ-एन सी-1

अपरिवर्तनीय साख पत्र

(माल के लिए लागू)

सेवा में

दिनांक

यह साखपत्र (ऋणी और विदेशी

आर्थिक सहयोग निधि के बीच

हुए करार सं०

दिनांक के अनु-

सरण में जारी किया गया है।

श्रीमान्,

हम आपको सूचित करने हैं कि हमने आपके नाम में हम से किए जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं..... खोल दिया है जो (अर्थात् येन) की कुल धनराशि में अधिक नहीं है। इसे निम्न-लिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाए:—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक, पोतपरिवहन बितां का वेबकी प्रादेश पूरे सेट मजिद तथा निरंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलदान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) संविदा सं..... (यदि कोई हो) के संदर्भ में (यदि कोई हो) आर्थिक पोतलदान स्वी-कृत है। ट्रांशिपमेंट स्वीकृत है।

पोतलदान बिना के बाद की विधि का नहीं होना चाहिए।

ड्राफ्ट तक लेन-देन की जानकारी के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाए।

इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... दिनांक के अंतर्गत हो और प्रायात संदर्भ सं. (संख्याएं) (यदि कोई हो)" अंकित होनी चाहिए।

यह ऋण हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस ऋण और इसकी शर्तों के अंतर्गत जारी किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जानी किए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और अर्हता को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विधिबन्त स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं.-290" के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश:

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा ड्राफ्टों और दस्तावेजों को एक पूर्ण सेट के साथ यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाण पत्र भेजा जाना चाहिए कि शेष दस्तावेजों को सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेज दिए गए हैं।

205 GI/86—2

3. इस ऋण के अंतर्गत बैंक के सभी प्रभार प्रायातक/संभरक के लेखे के लिए हैं।

महोदय,

(.....)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा—प्राधिकृत हस्ताक्षर

अनुबंध-5

प्रपत्र ओ ई सी एक साख पत्र

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

यह साखपत्र (ऋणी) और आई

सी एक के बीच ऋण समझौता

सं..... दिनांक

(संभरक का नाम और पता) के अनुसरण में जारी

किया गया है।

श्रीमान्

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने हमारे नाम प्राप्त विवरण पत्र के पूर्ण मूल्य के लिए लाभग्राही के "ड्राफ्ट एंड साइट" द्वारा उपलब्ध धनराशि या येन की अधिकतम कुल धनराशि (..... येन) के लिए आपके नाम में अपना अपरिवर्तनीय साखपत्र खोल दिया है।

(परियोजना के संबंध में ठेका सं.) से संबंधित संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित दस्तावेज साथ भेजने हैं। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट अधिकतम तक प्रस्तुत किए जाने हैं।

सभी ड्राफ्ट्स और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. के अंतर्गत जान" लिखा होना चाहिए। यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है। हम एतद्वारा वचन देते हैं कि क्रेडिट और उसकी शर्तों के अनुपालन के अंतर्गत भेजे गए सभी ड्राफ्ट (प्रापक) को दस्तावेजों के उचित रूप में प्रस्तुत करने पर विधिवत भुने जाएंगे।

जब तक निश्चित रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "डॉक्यूमेंट्री क्रेडिट के लिए यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस (1974 परिशोधन), इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, प्रोशोर सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश:—

इसके साथ संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी या उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए मूल निष्पादन विवरण पत्र की प्राप्ति के बाद इस क्रेडिट के अधीन संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए।

प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में ऊपर उल्लिखित निष्पादन विवरण पत्र के बजाय लाभग्राही के विवरणपत्र की आवश्यकता होगी।

2. उपर्युक्त ऋण समझौते के अधीन ओ ई सी एक द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार अपने भुगतान की प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्ट्स की धनराशि भेजने के लिए वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट प्राप्त होने पर तुरन्त हमें भेजे जाएंगे।

4. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक प्रसार आयातक/संभरक के लेखों के लिए हैं।

भारतीय,
(वाणिज्यिक बैंक)
द्वारा (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्ष्यपत्र में की एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन
कुल ठेका कीमत का प्रतिशत
अपेक्षित वस्तावेज :—लाभग्राही को विवरण पत्र
प्रस्तुत करने की आखिरी तिथि

2. पणामी भुगतान

कुल धनराशि येन
निम्नलिखित अनुसार, बकाई जाने वाली कुल
ठेका कीमत का प्रतिशत

येन धनराशि अंतिम प्रस्तुतीकरण

प्रथम किश्त येन
द्वितीय किश्त येन
अपेक्षित दस्तावेज (ऋणी या उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी
किए गए निष्पादन विवरण की एक प्रति जिसका
प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण
दिनांक
संदर्भ संख्या

सेवा में,

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण समझौता में के
अंतर्गत परियोजना से
संबंधित येन के
लिए के नाम में
..... द्वारा जारी किया गया
साक्ष्य पत्र सं.
दिनांक

मैं, अधोहस्ताक्षरी, (ऋणी) का प्रतिनिधि-
त्व करने हुए एतद्द्वारा को
..... और के बीच हुए ठेके सं.
..... दिनांक में निर्धारित
भुगतान शर्तों के अनुसार ओ ई सी एक से
येन (..... येन मात्र)
की धनराशि प्राप्त करने के लिए अधिकार देते हुए निष्पादन विवरण पत्र
जारी करता हूँ।

(ऋणी)
द्वारा (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का व्यौरा इसके संलग्न शीट में बताया जाएगा।

भुगतान की शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साक्ष्यपत्र में की अभिन्न
अंग हैं।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन
कुल ठेका कीमत का प्रतिशत अपेक्षित
दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यम भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि येन
कुल ठेका कीमत का प्रतिशत अपेक्षित
दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतपरिवहन दस्तावेजों के मुद्दे भुगतान

धनराशि येन
कुल ठेका कीमत का प्रतिशत

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के प्रति पूर्ण भुगतान
के मामले में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 85-ITC (PN)/85—88

New Delhi, the 13th May, 1986

Subject.—Licensing Conditions for import of equipment and
services under the Yen Credit of Yen 2.85 billion
for Sardar Sarovar Hydro Electric Project.

F. No. IPC/23(27)/85—88.—The terms and conditions
governing the issuance of import licences under the 2.85
billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Co-
operation Fund of Japan (OECF) for financing the import
requirements of the Sardar Sarovar Hydro Electric Project
of the Narmada Development Department, Government of
Gujarat as given in Appendix to this Public Notice are
notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX

Licensing conditions in respect of Imports of equipment and
services under the Yen Credit of Yen 2.850 billion for the
implementation of the Sardar Sarovar Hydro Electric Project
of the Narmada Development Department, Government of
Gujarat extended by the Overseas Economic Cooperation
Fund (OECF) of Japan.

Section 1—General Conditions.

I (i) The Yen Credit of 2.850 billion extended by the
Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF)
for financing the import requirements of the Sardar Sarovar
Hydro Electric Project of the Narmada Development Depart-
ment Government of Gujarat is untied in favour of Japan
and developing countries including India. Accordingly the
goods and services to be procured under this credit can be
procured from Japan and all countries (including India)
enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible
source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued
only for such items and for such value as have been speci-
fically cleared by the DGTDCG Committee. The value of

Import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 3,135 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-TIC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P33". The first and second suffix to the licence code will be "SJJC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence to Narmada Development Department, Government of Gujarat, a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Narmada Development Department, Government of Gujarat on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 3,135 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the Import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of Overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only

on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of....."

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-90.

Section II.—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen :—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid from, proposed contract specification and drawing and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tender lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) The application/documents mentioned in (a)(i),(a)(ii) and (b) above will be submitted by the importer to Department of E.A. in duplicate for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen credit (Project Aid) No. ID-P 33 for 1985-86 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exception cases, more than one con-

tract may be permitted to be entered into for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The Supplier shall be national of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30 percent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)."

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty percent (30 percent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)."

Section III.—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :—

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 25th November, 1985 concerning the Yen Credit No. ID-P. 33 (Project Aid for Sardar Sarovar Hydro Electric Project).
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 33 dated 25th November, 1985 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of

the goods involved and notify the Embassy, of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.—Review of Contract by OECF.

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order of confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A.", in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contracts amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A along with one copy each of "Request for issue of L.A" and photocopy of import licence.

Section V.—Payment to the overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of Contract and Contract documents from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer and the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required

to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of information of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 percent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with reimbursement procedure of the loan agreement.

Section VI.—Responsibility for rupee deposit :—

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. The rupee equivalent of Yen payments made to overseas suppliers are to be deposited into Government of India's Account in the manner prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further L&S to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further Import Licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil Deposits—for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan-2.850 Billion Yen Credit No. ID-P. 33 for the Sardar Sarovar Hydroelectric Project—No interest charges are recoverable in respect of imports by Government Departments. Therefore provisions of Public Notice of 31-5-1974 for payment of interest will not apply in this case.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority if any" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challan evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India.

Section VII.—Miscellaneous provisions.

VII (i) Reports on the utilization of the import licence.—

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licensee should appraise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transactions.

VII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 33 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the imports and Excise Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures :

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries.

I. AFRICA, North of Sahara :

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara :

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central Africa Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda

1. Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of.

St. Helena and dep. (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Atsara and Issas
Togo

Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Central

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

2. Including the following Islands : Ascension, Tristan da Cunha, Inaccessible, Nightingale, Gough.

3. Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St. Eustatius, St. Martin (Southern part).

AMERICA, North & Central.

(Continued).

West Indies (Br.) n.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South :

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
Guyana
French
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East :

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, Peoples D.R. (4)

VI. ASIA, South :

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East :

Brunei
Hongkong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam Dem. Rep.

VIII. OCEANIA :

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE :

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main islands : Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main islands, Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

5. Comprising the Society of Islands (Including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

(a2). Member or Association Countries of OPLC :

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar

Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub : Import of

from Japan under the Yen Credit No. ID-P.
(Project Aid for 198-8)

Sir,

In connection with the import of _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned :

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from noneligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment|part-shipment permitted or not permitted).

- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importer/supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers.

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject.—Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the Letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amount paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name & address of importer's Bank) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to your, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importer's bank in India through normal banking channels without affecting the

Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the Overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. _____ dated _____

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker (i)—This has reference to import licence No. _____ dt. _____. This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-TC(PN)/74 dated 13-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 2,850 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 33 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a

forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controfler of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A. D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A. D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.
(Accounts Officer)

ANNEXURE IV

FORM OECF—LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To,

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of Yen _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of you _____ (Say Yen _____) available your your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents,

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from To _____ Partial shipments are permitted. Transshipment is _____ permitted.

Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____ dated _____ and Import Reference No.(s) _____ (if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :—

1. After obtaining the reimbursement for our payments from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By : Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for services)

Date :

To,

(Name and address of the Supplier).

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and the Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents : beneficiary's Statement Latest presentation date : _____

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due _____ Latest presentation _____

1st Instalment : Yen _____

2nd Instalment : Yen _____

Required documents : A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To,

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____
 issued by _____
 for Yen _____ in favour of _____
 concerning _____
 Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen _____ (Yen _____ only) from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____

(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment Yen

Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (If any).

I Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price.

Note.—This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.